आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

बुनाई और हिमालयन क्राफ्ट

जागृति स्वंय सहायता समूह कामरिंग
वी. एफ. डी. एस. कामरिंग

एस.एच.जी. नाम	::	जागृति
वी.एफ.डी.एस.नाम	::	कामरिंग
एफ.टी.यू./ रेंज	::	पट्टन
डी.एम.यू. /मंडल	::	लाहौल
एफ.सी.सी.यू. / सर्किल	::	कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबंधन एव आजीविका सुधार परियोजना

(जाईका वित्तपोषित)

अनुक्रमणिका

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	1-2
2	परिचय	3
3	स्वयं सहायता समूह की सूची	4
4	समूह का विवरण	5
5	ग्राम की भौगोलिक स्थिति	6-7
6	आय सृजन गतिविधि से सम्बंधित उत्पाद का विवरण	8
7	उत्पादन की प्रक्रिया	8
8	उत्पादन हेतु नियोजन	9
9	बिक्री का विवरण	10
10	समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण	11
11	शक्ति ,दुर्बलता अवसर जोखिम का विश्लेषण	11
12	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	12
13	उद्यम हेतु अनुमानित लागत	12-15
14	उद्यम हेतु लागत - लाभ विश्लेषण	15
15	समूह की वित्तीय आवश्यकता	16
16	समूह की वित्तीय संसाधन	16
17	सम विच्छेदन बिंदु की गणना (ब्रेक इविन प्वाइंट)	17
18	स्वयं सहायता समूह के नियमों की सूचि	18
19	समूह का सहमती पत्र	19
20	समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ	20

1. परिचय

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत उपयुक्त है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुंदरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी 70लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग किलोमीटर है जो कि शिवालिक पहाड़ियों के ऊपरी हिमालय के शीत मरुस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ है।यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में लाहौल जिला पर्यटन कृषि व जड़ी-बूटी के लिए प्रसिद्ध है।.

गांव कामरिंग, डा 0मुरिंग ,तहसील उदयपुर, जिला लाहौल स्पीति ,हिमाचल प्रदेशमें स्थित है। गांव कामरिंग लाहौल जिले की घाटियों को भौतिक संरचना के आधार पर तरह-तरह के नाम दिए गए हैं, जिसमें एक नाम पट्टन वैली है। लाहौल मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।यह जिला लाहौल स्पिति का दुर्गम जन जातीय क्षेत्र है ।

गांव कामरिंग मे लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम जमीन है, जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह अच्छे ढंग से नहीं हो पा रहा है।

जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नकदी फसल व बागवानी का कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं। गांव में लोग बुनाई का कार्य भी कर रहे हैं, परंतु उत्पादन पारंपरिक तरीके से होता है। इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए व उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उन्नत किस्म के यंत्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है, उनकी जानकारी की आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र एवं प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने गांव में ग्राम वन समिति कामरिंग के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से गाँव में 02 स्वयं सहायता समूहोंका गठन, " जागृति स्वयं सहायता समूह" व " बुहारी स्वयं सहायता समूह" के रूप में किया गया। इसके बाद "जागृति स्वयं सहायता समूह" ने बुनाई और हिमालयन क्राफ्ट (झोलनु) का कार्य करने का निर्णय लिया। इस समूह में 11सदस्य शामिल हुए।

जागृति स्वयं सहायता समूह की सूची-

क्र.	लाभार्थी का नाम	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	हिर देई	प्रधान	49	स्त्री	पाँचवी	अनुसूचित जन जाति	7876879903
2	अनुराधा	सचिव	34	स्त्री	बारवी	अनुसूचित जन जाति	9459758315
3	शिव दासी	सदस्य	59	स्त्री	नवमी	अनुसूचित जन जाति	9418430460
4	सुमन	सदस्य	36	स्त्री	पाँचवी	अनुसूचित जन जाति	8988094094
5	सुशीला	सदस्य	39	स्त्री	बारवी	अनुसूचित जन जाति	9015340338
6	बालवती	सदस्य	41	स्त्री	पाँचवी	अनुसूचित जन जाति	9418350783
7	प्रोमिला	सदस्य	49	स्त्री	नवमी	अनुसूचित जन जाति	9459993257
8	बीना	सदस्य	46	स्त्री	पाँचवी	अनुसूचित जन जाति	8988314568
9	सीमा	सदस्य	43	स्त्री	बारवी	अनुसूचित जन जाति	9015223001
10	सुमन	सदस्य	43	स्त्री	बारवी	अनुसूचित जन जाति	9459438394
11	राम देई	सदस्य	52	स्त्री	पाँचवी	अनुसूचित जन जाति	8988317436

जागृति स्वयं सहायता समूह के सदस्यों का फोटोग्राफ

2. स्वयं सहायता समूह विवरण-

1	समूह का नाम	जागृति स्वयं सहायता समूह
2	ग्राम वन विकास समिति	कामरिंग
3	वन परिक्षेत्र / क्षेत्रीय तकनीकी इकाई	पट्टन
4	वनमंडल/ मंडलीय प्रबंधन इकाई	लाहौल
5	गांव	कामरिंग
6	विकास खंड	केलोंग
7	जिला	लाहौल- स्पीति
8	समान सूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या	11
9	समूह के गठन की तिथि	
10	बैंक खाता संख्या	13260110030974
11	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचालित है	यूको बैंक जाहलमा
12	स्वयं सहायता समूह की मासिक बचत	100
13	कुल बचत	
14	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	0
15	नगदी जमा करने की सीमा	
16	चुकौती की स्थिति	6 महीने

3.ग्राम की भौगोलिक स्थिति –

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	30 किलोमीटर (लगभग)
3.2	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	जाहलमा ,6 किलोमीटर लगभग
3.4	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	केलोंग , 30 किलोमीटर
3.5	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू 138 किलोमीटर, भुंतर 146 किलोमीटर, मनाली 95 किलोमीटर
3.6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का विक्रय/ विपणन किया जाएगा	उदयपुर, कुल्लू, भुंतर, मनाली
3.7	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के संबंध में गांव की कोई विशेष सूचना	कृषि व बागवानी, कोटी, जुराबें, स्वेटर बनाते हैं।
3.8	पिछले/ पूर्व और आगामी संपर्कों की स्थिति	लगातार बैठकर की जा रही है और बुनाई की जानकारी साझा की जा रही है

(1) व्यवसाय योजना की आवश्यता क्यों ?

ग्राम वन विकास समिति कामरिंग में महिलायों का पहले से गठित समूह है जिसमे समूह की सभी महिलाएं बुनाई (knitting) का कार्य करके अपनी आजीविका को बढाना चाहती है इसीलिए महिलायों ने समूह के माध्यम से JICA परियोजना से बुनाई (knitting) की मशीनों प्रदान करने तथा उचित प्रशिक्षण की मांग की है |

(2) व्यवसाय योजना के उदेश्य :

समूह की सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना |
समूह के लिए निरंतर आय के साधन उपलब्ध कराना |
उत्पाद को उचित बाज़ार से जोड़ना |
सभी सदस्यों को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना |
बुनाई (knitting) व्यवस्या की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीकों को बढावा देना |
आजीविका की बढोतरी |

(3)व्यवसाय योजना में निम्न कार्य शामिल हैं:

बुनाई व क्राफ्ट कोटी ,स्वेटर ,बच्चों के सेट ,टोपी ,जुराबे, झोलनु इत्यादि शामिल है |

(4) सामुदायिक गतिशीलता :

इसके अंतर्गत ग्रामीणों में जागरूकता एवं सामुदायिक गतिशीलन के उपरान्त आजीविका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लिए लाभार्थीयों की छंटनी की गयी है |

(5) **समूह का निर्माण** :

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया है तथा समूह का अध्यक्ष ,सचिव व् कोषाध्यक्ष का सर्वसहमति से चुनाव किया गया है| समूह की सदस्यों की सहमती से समूह के लिए नियम एवं शर्ते निर्धारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान किया गया है|

(6) क्षमता का निर्माण:

लाभार्थियों की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रशिक्षण करवाया जाना आवश्यक है|

(7) बुनाई मशीन इत्यादि का वितरण:

समूह के सभी सदस्यों को अच्छी किस्म मशीने उपलब्ध करवाई जाए ताकि अच्छे ढंग से कार्य कर सके|

(8) बाज़ार से जोड़ना :

अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व् निजि सोसाइटी से उचित शर्तों के साथ संबध स्थापित करने लिए तैयार है| विक्रय के लिए लोकल बाजारों के दुकानदारों से जोड़ कर ,मेलों में प्रदर्शनी लगाकर और नेचर अवेयरनेस पार्क में दुकान लगाकर आय कमाने हेतु जोड़ा जाएगा | आधिक उत्पादन होने पर कुल्लू और मनाली बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों से जुड़ कर कार्य करेगी|

(9) वितीय संस्थानों एवं संबधित विभागों से जोड़ना :

व्यवसाय को आगे बढाने के लिए समूह को वितीय संस्थानों से जोड़ने का पर्यास किया जाएगा तथा उन्हें विभिन्न बैंकों द्वारा दी जा रही ऋण सुविधाओं से अवगत करवाया जाएगा तथा परियोजना द्वारा बैंकों से जोड़ा जाएगा|

(10) बाज़ार की जानकारी :

उदेयपुर, केलोंग,भुन्तर,कुल्लू और मनाली बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों के साथ जुड़ कर कार्य करेगी|

(11) अपेक्षित सहायता एवं संसाधन :

वित्तीय प्रबंधन पूंजीगत व्यय का) :75 श्रेणी बार परियोजना %द्वारा सहायता दी जाएगी शेष ,25 सदस्य %द्वारा वहन किया जाए |
मानव :11 सदस्य
तकनीकी तकनीकी सहायता गाँव में ही मास्टर ट्रेनर लगाकर परियोजना :द्वारा उचित प्रशिक्षण का प्रावधान परियोजना द्वारा दिया जाएगा |

(12) अनुमानित लाभ:

महिलायों के लिए घरेलू रोज़गार उपलब्ध होगा |
समूह के सभी सदस्यों के लिए आजीविका वर्धन का दीर्घ कालीन एवं निरंतर साधन उपलब्ध होगा |

समूह की महिलाएं इस कार्य को खाली एवं अतिरिक्त समय में कर सकती है |

4. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का वितरण-

4.1	उत्पाद का नाम	कोटी, स्वेटर, जुराबे, वेवी सैट,टोपी मफलर व झोलनु बनाना	
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्धति	कुछ सदस्य बुनाई का कार्य पहले से ही करते हैं|
4.3	स्वयं सहायता समूह/समान सूची समूह/ सदस्यों की सामूहिक सहमति	हां|

5. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण-

सर्वप्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा कोटी, स्वेटर, जुराबे, बेबी सेट, टोपी व मफलर व झोलनु बनाने (हिमालयन क्राफ्ट) का प्रशिक्षण दिया जाएगा।प्रशिक्षण के उपरांत समूह के सदस्य द्वारा उत्पाद तैयार करने में निमन प्रक्रिया की जाएगी:-

कोटी, स्वेटर, जुराबे, बेबी सेट, टोपी व मफलर तैयार करने की मशीनें लगवाऐंगे। इससे समय और उत्पादों की मजदूरी दर का खर्चा कम होगा।

3 सदस्य स्वेटर बनाने का कार्य करेंगे।
2 सदस्य बेबी सेट बनाने का कार्य करेंगे।
1 सदस्य मफलर बनाने का कार्य करेगा।
1 सदस्य ऊनी टोपी बनाने का कार्य करेगा।
2 सदस्य जुराबे बनाने का कार्य करेंगे।
2 सदस्य झोलनु बनाने का कार्य करेंगे।

समूह में सभी सदस्य विपणन करेंगे और कच्चा माल भी लाएंगे।

6. उत्पादन हेतु नियोजन-

प्रति माह कार्य दिवस	:	30 दिवस
प्रति माह काम करने वाले व्यक्ति	:	11 व्यक्ति
कच्चे माल का स्रोत	:	केलोंग,कुल्लू
अन्य संसाधनों का स्रोत	:	केलोंग,कुल्लू

1	उत्पादन चक्र (दिनों में) 30 दिन प्रतिदिन **3-4 घंटे** कार्य करेगें	90 स्वेटर 60 बच्चों के सेट 60 जुराबे 30 टोपियाँ 30 मफलर 750 झोलनु
2	प्रति चक्र कार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या)	03 सदस्य स्वेटर बनाने के लिए 02 सदस्य बच्चों के सेट बनाने के लिए 02 सदस्य जुराबे बनाने के लिए 01सदस्य टोपी बनाने के लिए 01 सदस्य मफलर बनाने के लिए 02 सदस्य झोलनु बनाने के लिए **योग = 11**
3	कच्चे माल का स्त्रोत	केलोंग, कुल्लू,मनाली
4	अन्य संसाधनों का स्त्रोत	उदयपुर शमशी, भुन्तर

नोट: स्वयं सहायता समूह के प्रशिक्षण का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाता है।

7.बिक्री का विवरण-

1.	सम्भावित बाजारों / स्थलों के नाम	केलोंग ,मनाली, कुल्लू और भुंतर
2.	उत्पाद की बिक्री हेतू गांव से दूरी	केलोंग 30 कि0मी0 कुल्लू 140 कि0मी0 मनाली 105 कि0मी0 भुन्तर 150 कि0मी0
3.	बजार में उत्पाद की अनुमानित मांग	कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि
4.	बजार को चिन्हित करने की प्रक्रिया	लोकल बाज़ार को चिन्हित किया गया है जैसे की केलोंग,मनाली, कुल्लू और भुंतर।
5.	मौसम मे ंपरिवर्तन के अनुसार उत्पाद की मांग की स्थिति	मांग के अनुसार उत्पादन घटाया या बढाया जाएगा ।
6.	उत्पाद के संभावित खरीदार	स्थानीय निवासी
7.	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	गाँव व शेहर की महिलाएँ / पुरुष
8.	उत्पाद का विपणन तंत्र	सीधा सम्पर्क दुकानदारों से और गाँव की महिलाऐं और पुरषों के कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि की बुनाई।
9.	उत्पाद के विपणन हेतु रणनीति	1. कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि की बुनाई मांग के अनुसार घटाएंगे या बढायेंगे| 2. समूह कार्य की निपुणता के आधार पर सदस्यों का चयन करेगा जैसे कि सिलाई, काज बटन लगाना, इत्यादि।

8.समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण-

प्रबंधन के लिए नियम बनाए जाएंगे|
समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का बंटवारा करेंगे|
बंटवाराकार्य की कुशलता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा
लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवत्ता, कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा|
विपणन करने वाले सदस्यों को कुल बिक्री राशि पर 5% कमीशन दी जाएगी|
प्रधान व सचिव प्रबंधन का मूल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेंगे|

9. शक्ति ,दुर्बलता अवसर जोखिम का विश्लेष्ण-

शक्ति

महिलाओं में कार्य करने की लगन है।
पहले से ही कुछ सदस्य बुनाई का काम करते हैं।
समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बलता

महिलाएं कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती है।
कार्य के लिए 2 से 3 घंटे का समय ही निकाल पाना।
समूह में कर रहे हो पहली बार कर रहे हैं।

अवसर

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ोतरी होगी।
उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
कुल्ल, मनाली, उदयपुर, त्रिलोकीनाथ, चंद्रताल पर्यटक स्थल है।
अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।

चुनौती
बाजार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना।
अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।
उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।
अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यों में व्यवस्था।

10.संभावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण

क्र0सं0	जोखिमों/चुनौतियों का विवरण	जोखिम कम करने के उपाय
1.	बाजार की स्थिति(डिमांड) को ना समझना।	समय-समय पर बाजार की मांग के अनुसार चलना।
2.	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	उपभोक्ताओं के मनपसंद उत्पाद तैयार करना।
3.	अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।	अन्य उत्पाद केंद्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
4.	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	उपभोक्ताओं से हमेशा संपर्क में रहना।
5.	कृषि, बागवानी व पशुपालन कार्य में ज्यादा व्यवस्था।	कृषि, बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्य में साथ साथ बुनाई में ध्यान देना।
6.	समूह में बंटवारा	समूह मैं बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना। पारदर्शिता से कार्य करना।
7.	उत्पाद की गुणवत्ता घटने से बिक्री कम हो सकती है।	गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समूह को उच्च मापदंड रखने होंगे।

11. उद्यम हेतु अनुमानित लागत एवं उत्पाद के विक्रय मूल्य की गणना

1) पूंजीगत व्यय

क्रमाक	गतिविधि	मात्रा	मुल्य	कुल व्यय	परियोजना अंश 75%	लाभार्थी अंश 25%
1	आटोमेटिक कार्ड मशीन	1	**30000**	**30000**	22500	7500
2	सिम्पल मशीन	2	**7000**	**14000**	10500	3500
3	केंची	6	**500**	**3000**	2250	750
4	सिलाई (11**जोड़ी**)	**11**	**25**	**275**	206	68
	योग	**20**		**47275**	**35456**	**11819**

उपरोक्त पूंजीगत व्यय का लाभार्थी अंश नकदी के रूप में स्वयं वहन करेंगे|

(2) **आवर्ती व्यय**

क्र0स0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
झोलनु					
1	कागज	पैकेट	20	100	2000
2	फूल की कली	पैकेट	10	80	800
3	टटर	न.	60	15	900
	कुल				**3700**
स्वेटर					
1	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	10	700	7000
2	कच्चा माल बटन	न0	0	0	0
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	900
	कुल				**11900/-**
बच्चों के सेट					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	7	700	4900
2	कच्चा माल बटन	न0	0	0	0
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	650
	कुल				**9550/-**
जुराब					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	10	700	7000
2	कच्चा माल नायलॉन धागा	किलोग्राम	5	300	1500
3	कच्चा माल बटन	न0	0	0	0
4	मजदूरी	दिन	20	200	4000
5	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	650
	कुल				**13150/-**
टोपी और मफलर					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	8	700	5600
2	कच्चा माल बटन	न0	0	0	0
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा			L/S	650

	इत्यादि				
	कुल				**10250/-**
	योग				**48550/-**

3)- उत्पादन की लागत

क0स0	विवरण	धनराशि (रू0)
1	कुल आवर्ती लागत	48550
2	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	394
	योग	**48944/-**

(4) विक्रय मूल्य की गणना / आंकलन (प्रतिचक्र):

क0स0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशी
1	उत्पादन की लागत				
	झोलनू	नंबर	750	10	7500
	स्वेटर	नंबर	20	600	12000
	बच्चों के सेट	नंबर	30	150	4500
	जुराबे	नंबर	100	100	10000
	टोपी	नंबर	90	80	7200
	मफलर	नंबर	55	75	4125
	कुल लागत		295 नग		45325/-
2	उत्पादन की अनुमानित विक्रय				
	झोलनू		750	20	15000
	स्वेटर		20	1000	20000

	बच्चों के सेट		30	300	9000
	जुराबे		100	200	20000
	टोपी		90	160	14400
	मफलर		55	120	6600
	योग		295 नग		**85000/-**
3	**निर्धारित लाभ (प्रतिशत में)**				
	झोलनू	100%	750	10	10800
	स्वेटर	30%	20	400	10800
	बच्चों के सेट	50%	30	100	3000
	जुराबे	100%	100	50	5000
	टोपी	100%	90	100	9000
	मफलर	40%	55	45	2475
	योग		295 नग		**41075/-**
	कुल योग				**171400/-**

11. उघम हेतु लागत - लाभ विश्लेषण (एक चक्र के लिए) -

क0स0	मद	धनराशि (रू)
1	पूंजीगत व्यय पर **10%** वार्षिक मूल्य ह्रास (अ)	394
2	आवर्ती व्यय	48944
	किराया	1000
	परिवहन	1000
	अन्य खर्चा पैकजिग पानी ,बिजली ,स्टीकर ,इत्यादि	2000
	योग	**53338/-**

	कुल उत्पादन (नंo में)	प्रतिमाह / 295 न0
	उत्पादन की विक्री मूल्य प्रतिमाह	171400/-
	कुल लाभ = 171400 - 53338	118062/-
	उत्पाद की बुनाई से सकल लाभ = कुल लाभ + (मजदूरी एवं कमरा किराया) =118062+ (16000 + 1000)	135062/-

यह धनराशी मजदूरी व किराये की धनराशी के अतिरिक्त है | लाभ प्रति सदस्य का वितरण सदस्यों के मध्य सहमत अनुपात के आधार पर किया जाएगा |

12. धन की आवश्यकता -

समूह की वित्तीय आवश्यकता :

क0स0	मद	धनराशी (रु)
1	पूंजीगत व्यय	47275/-
2	अन्य व्यय	**5000/-**
	योग	**52275/-**

13.समूह के वित्तीय संसाधन –

क0स0	संसाधन का विवरण	धनराशी (रु)
1	परियोजना द्वारा सहायता कोष की धनराशी 75 % पूंजीगत व्यय	35456
2	लाभार्थी अंश 25% पूंजीगत व्यय	11819
	योग	**47275/-**

14.सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना -

ब्रेक इवन पॉइंट = पूंजीगत व्यय / विक्रय मूल्य – आवर्ती व्यय

= 47275/171400 – 48944 = 47275/122456

= 0. 38 माह = 0.38 x 30 = **11** दिन **(**लगभग **11** दिन**)**

उपरोक्त अनुपात में **295** नग बुनाई करके देने पर "ब्रेक इवन पॉइंट" 11 से 15 दिनों में प्राप्त होगा! दुसरे शब्दों में इस गतिविधि में लगी गयी धनराशी 11 से 15 दिनों में प्राप्त हो जाएगा |

15. स्वयं सहायता समूह नियमो की सूची-

1. समूह का काम : **बुनाई व हिमालयन क्राफ्ट |**
2. समूह का पता : **गाँव कामरिंग ,डाकघर मुरिंग , तहसील उदयपुर,जिला लाहुल स्पिति, हिमाचल प्रदेश |**
3. समूह के कुल सदस्यः 11
4. समूह की मासिक बैठक हर माह की 5 तारिक को होगी |
5. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
6. स्वंय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
7. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
8. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाऐगा
9. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
10. स्वंय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें
11. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा
12. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें
13. अगर सदस्य किसी कारणवश समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ समता है अन्यथा नही
14. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
15. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए
16. स्वंय सहायता समूह के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
17. बड़ें ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी
18. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए
19. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह में बांटी जाएगी
20. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगी |

समूह का सहमति पत्र

आज दिनांक 23-09-2022 को स्वयं सहायता समूह "जागृति" की बैठक प्रधान "श्रीमती/हिर देई" की अध्यक्षता में हुई। जिसमें समूह के सभी सदस्यों ने सर्वसहमति से यह निर्णय लिया कि समूह की आय को बढ़ाने के लिए **"बुनाई"(knitting)** और **"क्राफ्ट "(Himalayan Craft)** का कार्य और आजीविका सुधार योजना (JICA) से जुड़ने की सहमति प्रदान करते है।

प्रधान
जागृति स्वयम सहायता समूह मूरिग
कामरिग हिर देई

सचिव
जागृति स्वयम सहायता समूह मूरिग
कामरिग
Anuradha

President
VFDS Ka ring,
Distt. L& (H.P.)

Recommend for approval.

Range Forest Officer
Pattan Range
Jahalma

1 शिव दासी
2 सुमन
3 सुशीला
4 बालवती
5 प्रोमिला
6 बीना
7 ~~Seem~~ माया
8 Suman.
9. राम देई

Dmu-Lum- Division Forest Office
Lahoul at Keylong

<u>जागृति स्वंय सहायता समूह के सदस्यों का फोटोग्राफ</u>

हिरदेई(प्रधान)	रामदेई	प्रोमिला	बीना
सुमन	सुमन	बालबन्ती	माया
शिवदासी	अनुराधा सचिव	सुशीला	

प्रस्ताव

आज दिनांक 2-3-2023 को ग्राम वन विभाग समिति की कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया जिसमे वन विभाग समिति के प्रधान , वन खंड अधिकारी वीरेंदर शर्मा और FTU Coordinator भी शामिल थे | इस बैठक में समूह के सभी सदस्य भी मौजूद थे और यह निर्णय लिया गया की मशीनों के मूल्यों मे हुए बदलाव के करण सर्व सहमती से busniss प्लान को संशोधित किया जाये |

इस सम्बन्ध में समूह द्वारा 47275/- का बिजनेस प्लान प्रस्तुत किया गया |

शिव दासी
सुमन
सुशीला
बालवती
प्रोमिला

Treasurer
VFDS Kamring
Distt. L&S (H.P)

President
VFDS Kamring
Distt. L&S (H.P)

हिरदेई
माया
Anuradha

[illegible]
Pattam

Dmu-Cum- Division Forest Office
Lahoul at Keylong